सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 52 | जौनपुर, बुधवार, 09 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

हरियाणा के नतीजे लोकतंत्र की हार – पवन खेड़ा

हरियाणा, एजेसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अब जबरदस्त तरीके से सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर रही है। इन सब के बीच कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि यह नतीजा उसे स्वीकार नहीं है। हरियाणा में तंत्र की जीत हुई है। लोकतंत्र हार गया है। उन्होंने कहा कि अलग–अलग जिलों से जो शिकायती आ रही है, उसे हम चुनाव आयोग तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि नतीजे पूरी तरह अप्रत्याशित हैं और हम तो यहां तक घ्ध्कहेंगे कि ये अस्वीकार्य हैं। खेड़ा ने दावा किया कि हमारे प्रत्याशी के बारे में तीन जिलों, हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत से लगातार शिकायतें आ रही हैं। लगातार शिकायतें आ रही हैं कि कैसे कुछ मशीनों की बैटरियां जो 99: थीं उनमें हमें हारते हुए दिखाया गया और जिन मशीनों को छुआ तक नहीं गया, जिनकी बैटरियां 60–70: थीं उनमें हमारे उम्मीदवार को जीतता हुआ दिखाया गया। उन्होंने कहा कि अगर एक लाइन में कहा जाए तो ये सिस्टम की जीत और लोकतंत्र की हार है। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। हम शिकायतें एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे उम्मीदवारों ने वहां के रिटर्निंग ऑफिसर्स को शिकायतें दी हैं और अब भी दे रहे हैं। आने वाले दिनों में हम जल्द ही इन सभी शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग जाएंगे और वहां अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। इस तरह का परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आया। किसी को यकीन नहीं हो रहा कि हरियाणा में इतना अप्रत्याशित परिणाम आएगा। हम सब हैरान हैं। पार्टी सांसद जयराम रमेश ने कहा कि हरियाणा में नतीजे पूरी तरह से अप्रत्याशित, पूरी तरह से आश्चर्यजनक और उलटे हैं। यह जमीनी हकीकत के विपरीत है। रमेश ने कहा कि यह उस चीज के खिलाफ है जिसके लिए हरियाणा के लोगों ने अपना मन बना लिया था, जो परिवर्तन और परिवर्तन के लिए था।

देश का अपमान करने वालों को जनता ने सिखाया सबक - अमित शाह

हरियाणा, एजेसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद भाजपा अब सरकार बनाने की स्थिति में दिखाई दे रही है। भाजपा 48 सीटों पर जीत हासिल करती हुई दिख रही है। वहीं, कांग्रेस काफी पीछे रही है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हरियाणा की जनता का आभार जताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि हरियाणा में भाजपा की यह प्रचंड जीत किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अटूट विश्वास की जीत है। भाजपा नेता ने कहा कि वीरभूमि की जनता ने जाति और क्षेत्र के आधार पर बाँटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक

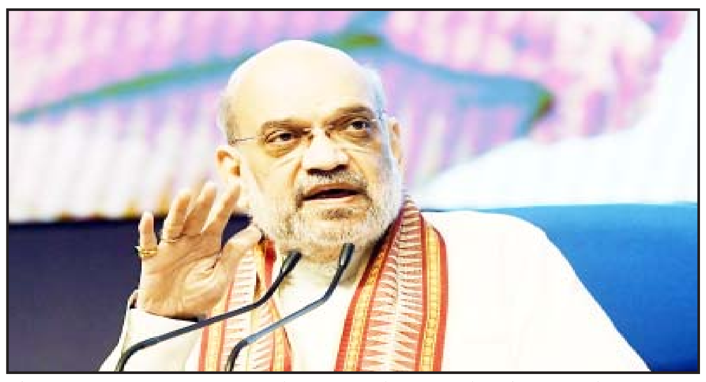

और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के 10 वर्षों के विकास और गरीब कल्याण के ट्रैक रिकॉर्ड को चुना है। राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि अपने वोट बैंक के लिए विदेश में जाकर देश का अपमान करने वालों को किसानों और जवानों की भूमि हरियाणा ने सबक सिखाया है। लगातार तीसरी बार भाजपा को प्रदेश की सेवा करने का अवसर देने के लिए हरियाणा की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार आपकी सभी आकांक्षाओं और आशाओं को पूर्ण करेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चाहे केंद्र में लगातार तीसरी बार मोदी जी का चुनकर आना हो या हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों में बार–बार भाजपा सरकार का बनना, यह दर्शाता है कि भारतीय राजनीति में मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा ने जिस प्रदर्शन की राजनीति के नए युग की शुरुआत की है, उसमें जनता का अटूट विश्वास है। पहले लोकसभा चुनाव में और अब हरियाणा में, वोट लेने के लिए झूठे और हवाई वादे करने वाली कांग्रेस को जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है और जमीन पर डिलीवर करने वाली भाजपा के साथ जनता चट्टान की तरह खड़ी है।

विकसित हरियाणा–विकसित भारत की संकल्पना की सिद्धि को समर्पित है जीत – मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव–2024 में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की जीत पर प्रसन्नता जाहिर की। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व मतदाताओं को बधाई दी।

यह जीत पीएम की लोक कल्याणकारी नीतियों व सीएम के नेतृत्व पर विश्वास की मुहर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि विकसित हरियाणा–विकसित भारत की संकल्पना की सिद्धि को समर्पित यह जीत

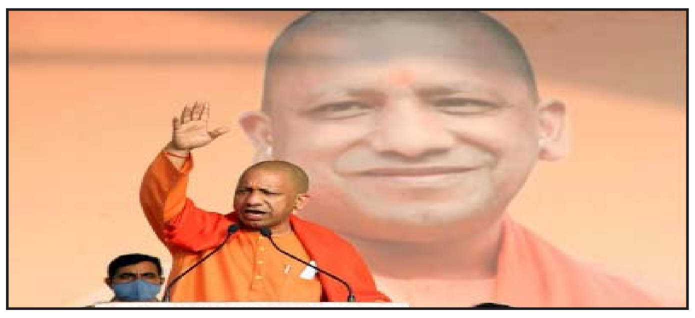

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लोक–कल्याणकारी नीतियों, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के कुशल नेतृत्व और डबल इंजन की भाजपा सरकार की शक्ति पर हरियाणा की जनता जनार्दन के विश्वास की मुहर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव–2024 में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बधाई।

असम में आनलाइन शेयर कारोबार घोटाला मामलों की जांच सीबीआई ने संभाली – सीएम हिमंत

गुवाहाटी, एजेसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूरे राज्य भर में दर्ज ऑनलाइन शेयर कारोबार घोटाले के 41 मामलों की जांच आधिकारिक तौर पर संभाल ली है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ऑन लाइन शेयर कारोबारघोटाले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए, हमने भारत सरकार से सभी 41 पंजीकृत मामलों को औपचारिक रूप से सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया था।'' राज्य के मुख्यमंत्री शर्मा के पास राज्य का गृह प्रभार भी है। उन्होंने कहा, ''सीबीआई आधिकारिक रूप से इस मामले को अपने हाथ में ले रही है और राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी कि जल्द से जल्द न्याय मिले।'' राज्य में ऑनलाइन कारोबार घोटाला अगस्त के अंतिम सप्ताह में प्रकाश में आया था, जब 29 वर्षीय दीपांकर बर्मन की कंपनी में भारी मात्रा में धन लगाने वाले निवेशकों ने शिकायत की कि उसने उन्हें उचित रिटर्न नहीं दिया है और उसका कार्यालय 21 अगस्त से बंद है।

वह फिलहाल फरार है। शर्मा ने कहा था कि असम मंत्रिमंडल ने सितंबर में ऑनलाइन शेयर कारोबार घोटाले के संबंध में तब तक दर्ज 32 मामलों को जांच के लिए सीबीआई को स्थानांतरित करने का फैसला किया है। एजेंसी मामलों को अपने हाथ में लेने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू करेगी। कई कंपनियों ने कथित तौर पर राज्य भर के लोगों से इस वादे पर सैकड़ों करोड़ रुपये जुटाये कि उन्हें शेयर बाजारों में निवेश करके भारी रिटर्न मिलेगा।

यह विकास और सुशासन की जीत - पीएम मोदी

हरियाणा, एजेसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद भाजपा अब सरकार बनाने की स्थिति में है। भाजपा 48 सीटों पर जीत हासिल की है। इसी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा का हृदय से आभार जताया है। मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले अपने सभी कार्यकर्ता साथियों को भी मेरी बहुत–बहुत बधाई! आपने ना केवल

राज्य की जनता–जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के हमारे एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। वहीं, जम्मू–कश्मीर के नतीजों पर मोदी ने कहा कि जम्मू– कश्मीर में ये चुनाव बेहद खास रहे हैं। अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने के बाद पहली बार आयोजित किया गया और इसमें भारी मतदान हुआ, जिससे लोकतंत्र में लोगों के विश्वास का पता चला। मैं इसके लिए जम्मू– कश्मीर के प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि मुझे जम्मू–कश्मीर में भाजपा के प्रदर्शन पर गर्व है। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारी पार्टी को वोट दिया और हम पर भरोसा जताया।

एक मोदी सब पर भारी, चुनावी रुझानों पर गिरिराज सिंह का कांग्रेस पर तंज

बिहार, एजेसी। हरियाणा चुनाव के रुझानों में भाजपा ऐतिहासिक तौर पर जीतती हुई दिखाई दे रही है। यही कारण है कि भाजपा गदगद है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कह दिया है कि एक मोदी सब पर भारी हैं। उन्होंने कहा कि हम श्एक मोदी सब पर भारीश के नतीजे देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने उन्हें (राहुल गांधी) सबक सिखा दिया है।श उन्हें राहुल गांधी के बयानों पर नहीं बल्कि पीएम मोदी पर भरोसा है। सभी किसान और पहलवान हमारे साथ हैं। भाजपा नेता ने कहा कि हमने जम्मू–कश्मीर में भी कांग्रेस पार्टी को हराया है। वे भाजपा के सामने कहीं नहीं टिकते। उन्होंने (राहुल गांधी) फारूक अब्दुल्ला का समर्थन किया। बवानी खेड़ा विधानसभा सीट से बीजेपी के प्रमुख उम्मीदवार कपूर सिंह ने कहा कि मैं जीत गया हूं क्योंकि लोगों ने मुझे अपना समर्थन दिया है। लोगों ने साबित कर दिया है कि जो काम करता है वह कभी नहीं हारता।

उन्होंने कहा कि मैं लोगों के बीच रहा हूं...लोगों ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। जैसे ही भाजपा की सरकार बनी जनता ने केंद्र में तीसरी बार, हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। देश की राजधानी के लुटियंस इलाके में 24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस के मुख्यालय पर मंगलवार की सुबह पटाखे छोड़ते, ढोल नगाड़े बजाते और जलेबियां बांटते हुए जश्न का आगाज हुआ, लेकिन दोपहर होते–होते वहां सन्नाटा पसर गया।

पीएम मोदी की नीतियों का राज्य की जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा - मनोहर लाल

हरियाणा, एजेसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव ने राजनीतिक पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए एक आश्चर्यजनक परिणाम दिया है। रुझानों के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा को 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में लगभग 5व सीटें जीतने की संभावना है। भाजपा ने इसको लेकर जश्न मनाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर का भी बयान सामने आया है। मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मुद्दा (चुनाव का) यह था कि हमने हरियाणा के पहलवानों, किसानों, युवाओं के लिए जो काम किया है, वह कांग्रेस कभी नहीं कर सकती। खट्टर ने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस जीत का श्रेय हमारी पार्टी

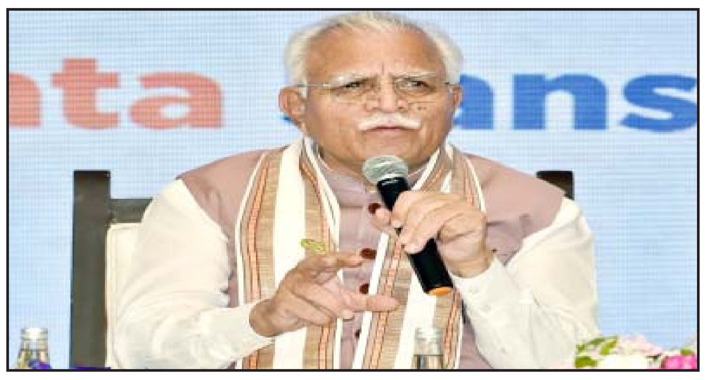

के कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों को जाता है। हमारे सीएम ने पहले ही कहा था एक दिन आएगा जब जनता देगी जवाब और कांग्रेस एक ही बात कहेगी कि ईवीएम खराब है। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। जनता ने यह संदेश दिया है कि पीएम मोदी की नीतियों का राज्य की जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हरियाणा में यह रिकॉर्ड है कि कोई पार्टी तीसरी बार सत्ता में आई है। नायब सिंह सैनी ने अपने बयान में कहा कि मैं लाडवा की जनता और हरियाणा की 2.80 करोड़ आबादी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। हरियाणा की जनता ने पीएम मोदी की नीतियों पर मुहर लगा दी है। सैनी ने कहा कि मैं प्रमाणपत्र लेने जाऊंगा और फिर ज्योतिसर मंदिर में भगवान कृष्ण की पूजा करूंगा। हरियाणा की 2.80 करोड़ जनता ने इस सरकार को चुना है और हम पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कह दिया है कि एक मोदी सब पर भारी हैं। उन्होंने कहा कि हम एक मोदी सब पर भारी के नतीजे देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने उन्हें (राहुल गांधी) सबक सिखा दिया है। उन्हें राहुल गांधी के बयानों पर नहीं बल्कि पीएम मोदी पर भरोसा है।

कांग्रेस और राकांपा की ओर से घोषित मुख्यमंत्री के चेहरे का समर्थन करेंगे – उद्धव

मुंबई, एजेसी। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह महाराष्ट्र को 'बचाने' के लिएविपक्षी गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) द्वारा घोषित मुख्यमंत्री के किसी भी चेहरे का समर्थन करेंगे। यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार संभवतरू अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापनों के जरिये फर्जी विमर्श प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है। ठाकरे ने सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन' योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि सरकार लोगों को उन्हीं का पैसा (योजना के माध्यम से)देकर ''महाराष्ट्र धर्म'' के साथ विश्वासघात करने के लिए मजबूर कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहिन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500

रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। ठाकरे ने कहा, '' मैं महाराष्ट्र को बचाने के लिए कांग्रेस या राकांपा (एसपी) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री चेहरे का समर्थन करूंगा।'' ठाकरे ने अगस्त में जोर दिया था कि चुनाव के बाद सबसे अधिक सीट जीतने वाले दल द्वारा मुख्यमंत्री चुने जाने के बजाय विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी को चुनाव में जाने से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना चाहिए।

जम्मू कश्मीर के परिणाम पर महबूबा मुफ्ती ने एनसी–कांग्रेस को दी बधाई

जम्मू कश्मीर, एजेसी। जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को खासी सफलता मिली है। वहीं पीडीपी के हिस्से ज्यादा कुछ हाथ नहीं लगा है। विधान सभा चुनाव के नतीजों पर पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती का बयान सामने आया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र को जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के निर्णायक फैसले से सबक लेना चाहिए और आगामी नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस सरकार के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व को उसकी जीत पर बधाई दी और कहा कि उनकी पार्टी रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं नेकां नेतृत्व को उसकी शानदार जीत के लिए बधाई देता हूं। मैं जम्मू–कश्मीर के लोगों को भी एक स्थिर सरकार के लिए मतदान करने के लिए बधाई देना चाहता हूं, न कि त्रिशंकु विधानसभा के लिए क्योंकि लोगों को विशेष रूप से 5 अगस्त, 2019 के बाद कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक स्थिर और मजबूत सरकार है उन समस्याओं के निवारण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि केंद्र को फैसले से सबक लेना चाहिए और सरकार के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगगर वे ऐसा करते हैं, तो यह विनाशकारी होगा और उनके साथ अब जो हुआ है।

हेमंत सोरेन ने जेल से लौटने के बाद सीएम के तौर पर 90 दिनों की उपलब्धियां गिनाई

रांची, एजेसी। हेमंत सोरेन ने जेल से निकलकर सीएम की कमान संभालने के बाद 90 दिनों के अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई हैं। इसे लेकर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा किया है। सीएम ने कहा है कि 'मंईयां सम्मान योजना' के तहत 50 लाख से अधिक बहनों को जोड़ा गया है और एक–एक हजार रुपए की दो किस्तें उनके बैंक खातों में पहुंचा दी गई है। तीसरी किस्त भी मंगलवार को भेजी जाएगी। उन्होंने किसानों के कल्याण की दिशा में किए गए कार्य का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के लाखों किसानों के 2 लाख रुपए तक के कर्ज माफ किए हैं। वहीं, दूध की खरीद में अब किसानों को 5 रुपए प्रति लीटर बोनस मिल रहा है। सोरेन ने बताया है कि सरकार प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपभोक्ताओं को दे रही है। वहीं, राज्य के 40 लाख परिवारों का बकाया बिजली बिल माफ किया गया है। राज्य में बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में काम करते हुए सरकार ने राज्य का पहला अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित किया है। इसी तरह रिकॉर्ड समय में कांटा टोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। जमशेदपुर में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल एमजीएम में 750 बेड के अस्पताल और ओपीडी सेवा की शुरुआत की गई है। अधिवक्ताओं के लिए पेंशन, प्रोत्साहन राशि, स्वास्थ्य बीमा और अन्य सहायता प्रदान करने और अन्य वर्गों को भी स्वास्थ्य बीमा से जोड़ने के

लिए उठाए गए कदम का भी सोरेन ने पोस्ट में उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पोषण सखी एवं अन्य अनुबंध वर्गों को उनका अधिकार दिया। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत हर पंचायत में लाखों आवेदन के लिए शिविर लगवाया। इन आवेदनों का त्वरित निपटारा किया जा रहा है।

सरकार बनाने की ओर एनसी–कांग्रेस गठबंधन, फारूक अब्दुल्ला का ऐलान

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू–कश्मीर के रुझानों के बीच बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने अपना जनादेश दे दिया है, उन्होंने साबित कर दिया है कि उन्हें 5 अगस्त को लिया गया फैसला मंजूर नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री होंगे। आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन के सरकार बनाने की संभावना है। मंगलवार को रुझानों में गठबंधन ने 90 में से 51 सीट पर बढ़त बना ली है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 28 सीट पर आगे है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की झोली में अब तक दो – दो सीट आई है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रुझानों के अनुसार, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) केंद्र शासित प्रदेश में दो सीट पर, सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस दो सीट पर जबकि निर्दलीय उम्मीदवार छह सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। रुझानों से पता चलता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस 43 सीट पर आगे है जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस सात सीट पर आगे है। रुझानों में नेकां के उसके प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकलने पर पार्टी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर में जनादेश के साथ कोई ''छेड़छाड़'' नहीं होनी चाहिए। अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा, ''पारदर्शिता होनी चाहिए। जो भी हो, पारदर्शी तरीके से होना चाहिए।

संपादकीय

सुधार के लिए ड्राप ईयर लेना

जेईई मेन– एक ड्रॉप ईयर लोगों को अपने लक्ष्यों को साकार करने के लिए समय और स्थान प्रदान कर सकता है। भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों, जैसे आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश पाने की उम्मीद कर रहे कई छात्रों के लिए, संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी के लिए एक साल की छुट्टी लेना एक बड़ा निर्णय है। जहां कुछ छात्र अपने पहले ही प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफल हो जाते हैं, वहीं अन्य अपना सारा समय पढ़ाई में समर्पित करने के लिए एक साल के लिए स्कूल छोड़ने के बारे में सोचते हैं। तो, सवाल यह है कि क्या जेईई कोर्सवर्क का एक साल छोड़ना स्वीकार्य है? यह विकल्प चुनने से पहले, निम्नलिखित महत्वपूर्ण कारकों पर विचार करेंरू 1. लाभ और कमियों को पहचानना – ड्रॉप वर्ष लेने के लाभ– ड्रॉप वर्ष के दौरान बनाए रखी गई योजना के पास अपना सारा ध्यान जेईई की तैयारी में लगाने के लिए पर्याप्त समय होगा, जो स्कूल के काम, बोर्ड परीक्षा या अन्य पाठ्येतर गतिविधियों से ध्यान भटकने से मुक्त होगा। इस केंद्रित एकाग्रता से आपकी धारणाएँ मजबूत होंगी और उच्च अंक प्राप्त करने की संभावनाएँ बढ़ेंगी। – यदि आप अपने पहले प्रयास में जेईई में असफल हो गए या वांछित रैंक प्राप्त नहीं कर पाए तो ड्रॉप ईयर द्वारा सफलता का दूसरा अवसर प्रदान किया जाता है। यह आपको अपनी पिछली त्रुटियों का जायजा लेने, अपनी कमजोरियों को इंगित करने और अपने दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में सक्षम बनाता है। एक ड्रॉप ईयर आपको कठिन शेड्यूल से छुट्टी लेने की अनुमति देता है और आपको अपना दृष्टिकोण बदलकर जेईई के लिए मानसिक रूप से तैयार होने के लिए अधिक समय देता है। – व्यक्तिगत विकासरू ड्रॉप ईयर व्यक्तिगत विकास के लिए एक बेहतरीन अवसर हो सकता है। यह छात्रों को उनकी लचीलापन, आत्म–नियंत्रण और समय प्रबंधन क्षमताओं में सुधार करने का मौका प्रदान करता है – ये सभी किसी भी प्रतिस्पर्धी परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक हैं। एक वर्ष की छुट्टी लेने में कठिनाइयाँ – सामाजिक दबाव– ड्रॉप ईयर लेने का निर्णय लेते समय, कई छात्रों को दोस्तों, परिवार या समुदाय के दबाव का सामना करना पड़ता है। सहपाठियों से पिछड़ने या करीबी लोगों के निराश होने की चिंता करना बेहद तनावपूर्ण हो सकता है। इन मांगों का विरोधा करने और एकाग्रता बनाए रखने के लिए मानसिक दृढ़ता का होना महत्वपूर्ण है। – आत्म–संदेह– एक साल की छुट्टी लेने का एक संभावित दुष्प्रभाव आत्म–संदेह है। यदि छात्रों को तुरंत ध्यान देने योग्य परिणाम नहीं दिखते हैं, तो वे अपनी प्रतिभा पर संदेह करना शुरू कर सकते हैं। पूरे वर्ष अपनी प्रेरणा और आत्म–आश्वासन को बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। – वित्तीय पहलू– यदि अतिरिक्त कोचिंग, संसाधन, या अध्ययन सामग्री की आवश्यकता हो, तो एक ड्रॉप वर्ष परिवारों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाल सकता है। यह आकलन करना कि क्या निवेश पर संभावित रिटर्न प्रयास और वित्तीय प्रतिबद्धता को उचित ठहराता है, महत्वपूर्ण है। 2. क्या आप अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं? जेईई के लिए ड्रॉप ईयर चुनना कोई आसान निर्णय नहीं है। इसके लिए आत्म–नियंत्रण, प्रभावी समय प्रबंधन और विचलित हुए बिना लगातार काम करने की क्षमता की आवश्यकता होती है। आप ड्रॉप ईयर के दौरान अपना खुद का शेड्यूल बनाने और उसका पालन करने के प्रभारी हैं, जबकि स्कूल के वर्षों के विपरीत जहां एक निर्धारित योजना होती है।

यदि आप आश्वस्त हैं कि आप अपनी प्रतिबद्धता बनाए रख सकते हैं और चीजों को टालने की आवश्यकता का विरोध कर सकते हैं तो एक ड्रॉप ईयर सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। फिर भी, यदि आप आसानी से विचलित हो जाते हैं या प्रेरणा की कमी है तो एक साल की छुट्टी लेना फायदेमंद नहीं हो सकता है। यह प्रतिबिंबित करना और निर्धारित करना महत्वपूर्ण है कि क्या आप उस प्रकार की प्रतिबद्धता बनाने में सक्षम हैं जिसकी एक ड्रॉप ईयर मांग करती है। 3. एक योजना बनाएं यदि आप ड्रॉप ईयर लेना चुनते हैं, तो आपके पास एक सुविचारित योजना होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि आपके पास स्पष्ट है अपने दैनिक अध्ययन के समय, आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्रियों और नियमित प्रगति मूल्यांकन प्रक्रियाओं की योजना बनाएं। यदि आवश्यक हो, तो कोचिंग पाठों के लिए साइन अप करें, लेकिन सुनिश्चित करें कि आपकी दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्व–अध्ययन का हो। आपकी योजना के मुख्य घटक पिछले वर्षों के परीक्षा प्रश्नों को पूरा करना, अभ्यास परीक्षा देना और अपने लिए समय सीमा निर्धारित करना होना चाहिए। 4. अन्य तरीकों पर विचार करें ड्रॉप वर्ष तय करने से पहले अन्य विकल्पों पर भी विचार करें। कुछ छात्र अपनी आगामी जेईई परीक्षा की तैयारी के लिए कॉलेजों में आवेदन करना चुन सकते हैं। ऐसा करने से, वे अपने सपने को बनाए रखने और एक बैकअप योजना प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। हालाँकि, अपने स्नातक पाठ्यक्रम को जेईई अध्ययन के साथ जोड़ना मुश्किल हो सकता है। यदि आपको लगता है कि एक और प्रयास पर्याप्त होगा तो कॉलेज और तैयारी में भागदौड़ करने की तुलना में एक ड्रॉप ईयर बेहतर कदम हो सकता है। जेईई मेन की तैयारी के लिए एक साल की छुट्टी लेनी है या नहीं यह एक व्यक्तिगत पसंद है जिसके फायदे और नुकसान पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

एआई खतरे से निपटने के लिए बहुपक्षीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता

आदित्य

ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने चेतावनी दी, जब तक हम संभावित जोखिमों के लिए तैयार रहना और उनसे बचना नहीं सीखते, तब तक एआई हमारी सभ्यता के इतिहास की सबसे बुरी घटना हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरनाक उपयोग की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, जो जटिल कार्यों को पल भर में हल करने से लेकर स्वास्थ्य सेवा, वित्त, रोबोटिक्स, गेमिंग, वर्चुअल असिस्टेंट, स्वायत्त वाहनों से लेकर धोखाधड़ी का पता लगाने, एनएलपी आदि में तेजी से बढ़ते अनुप्रयोगों तक विकसित हुआ है, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को दुनिया को आगाह करते हुए कहा कि एआई परमाणु हथियारों जितना ही खतरनाक है। आज, एआई इतनी तेजी से विकसित हो रहा है, खुद को सिखा रहा है, चाहे वह वीडियो गेम खेलना हो, छवियों का पुनर्निर्माण करना हो या बीमारियों का निदान करना हो। अनजान लोगों के लिए, एआई तकनीकों का एक संग्रह है जो मशीनों को मनुष्यों की तरह सीखने, सोचने, कार्य करने और समझने की अनुमति देता है। यह जटिल कार्यों को आसानी से और तेजी से कर सकता है। कई उद्योग इसकी उपयोगिताओं का दोहन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह न केवल मानव बुद्धिमत्ता की नकल करता है, बल्कि इसकी

गति और सटीकता उपयोगकर्ताओं को चकित कर रही है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा से संबद्ध शोधकर्ता टैमलिन हंट ने द साइंटिफिक अमेरिकन के लिए लिखा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एल्गोरिदम जल्द ही तेजी से आत्म–सुधार के एक ऐसे बिंदु पर पहुंच जाएंगे जो उन्हें नियंत्रित करने की हमारी क्षमता को खतरे में डाल देगा और मानवता के लिए बहुत बड़ा संभावित जोखिम पैदा करेगा। उन्होंने एआई के गॉडफादर जेफ्री हिंटन को उद्धृत करते हुए कहा कि, यह देखना मुश्किल है कि आप बुरे लोगों को एआई, का इस्तेमाल बुरी चीजों के लिए करने से कैसे रोक सकते हैं। 1950 में, एलन ट्यूरिंग ने कंप्यूटिंग मशीनरी एंड इंटेलिजेंस प्रकाशित किया, जिसमें ट्यूरिंग टेस्ट पेश किया गया और एआई के रूप में जाने जाने वाले दरवाजे खोले गए। पांच दशकों तक चुप रहने के बाद, 21वीं सदी में शोध ने जोर पकड़ा, जिसमें अथाह सुपर इंटेलिजेंस टूल की गहराई से जांच की गई। 2023 में बड़े विकास हुए। ळववहसम ने ब्लेक लेमोइन को लीक के लिए निकाल दिया, जिसमें दावा किया गया था कि उसका LaMDA संवेदनशील है यानी चीजों को समझने या महसूस करने में सक्षम है। डीपमाइंड ने अल्फाटेन्सर का अनावरण किया, और इंटेल ने दावा किया कि उसका फेककैचर रियल–टाइम डीपफेक डिटेक्टर 96ः सटीक था। ओपनएआई ने 30 नवंबर को चौटजीपीटी जारी किया, जिससे एआई का बड़े पैमाने पर उपयोग संभव हो सका। निराशाजनक बात यह है कि एआई खुद को तेजी से बेहतर बना सकता है। यह पहले से ही अनजाने में सामाजिक पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देता हुआ देखा गया है। यह पाया गया है कि यह श्वेत रोगियों की तुलना में अश्वेत रोगियों के लिए कम सटीकता वाले परिणाम देता है। अमेजॅन ने एक एल्गोरिदम को छोड़ दिया, क्योंकि यह पाया गया कि यह आवेदकों के रिज्यूमे में निष्पादित या कैप्चर जैसे शब्दों के आधार पर अधिक अनुकूल था। पूर्वानुमानित पुलिसिंग उपकरण अक्सर ऐतिहासिक गिरफ्तारी डेटा पर निर्भर पाए जाते हैं, जो नस्लीय प्रोफाइलिंग और अल्पसंख्यक समुदायों के असंगत लक्ष्यीकरण के मौजूदा पैटर्न को मजबूत कर सकते हैं। ये हिमशैल के सिरे मात्र हैं। 2023 में जनरेटिव एआई–आधारित फिशिंग हमलों और 2018 में फेसबुक के उपयोगकर्ता डेटा की हैकिंग के बाद, साइबर अपराधियों द्वारा एआई के संभावित उपयोग चिंताजनक हैं। सूचना युद्ध में एआई पहले से ही एक महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है। एआई का उपयोग करने वाली डीप फेक तकनीक पहले से ही एक बड़ी चुनौती है। अपने सभी विविध उपयोगों के लिए, एआई एक विध्वंसकारी शक्ति भी है। इसका उपयोग न केवल रक्षा या बिजली के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को प्रबंधित करने के लिए किया जा सकता है, बल्कि उसे कमजोर करने के लिए भी किया जा सकता है। हम इस स्थिति में कैसे पहुँच गए कि मशीन लर्निंग टूल के रूप में शुरू की गई चीज के बारे में चिंता करने लगे? अब, सरकारें और सुरक्षा विशेषज्ञ इस बात पर बहस कर रहे हैं कि एआई कितनी विनाशकारी क्षमता रख सकता है, जब तक कि राष्ट्र इसके जिम्मेदार उपयोग के लिए आचार संहिता बनाने के लिए समन्वय न करें। विशेषज्ञों को चिंता है कि बिना किसी सीमा के और बिना किसी प्रतिबंध के, यह वैश्विक व्यवस्था को खतरे में डाल सकता है। अब समय आ गया है कि राष्ट्र आईसीटी के उपयोग के साथ अवैधा और आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए कानून बनाने और समन्वय करने के लिए एक साथ आएं। संयुक्त राष्ट्र जैसे निकायों को पहल करनी चाहिए क्योंकि कुछ ही देशों के पास एल्गोरिदम से हथियारों तक के मार्च को रोकने के लिए साधन हैं।

भगवा पार्टी के लिए आत्ममंथन का समय

विनोद

भाजपा को लगातार चुनावों में झटका क्यों लग रहा है? क्या यह टीना फैक्टर से पीड़ित है या पार्टी नेतृत्व में कोई शून्य है? एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों के अनुसार, भाजपा निश्चित रूप से तीसरी बार हरियाणा चुनाव नहीं जीतने जा रही है और यहां तक घ्किक जम्मू–कश्मीर में भी उसे कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस एक दशक के बाद हरियाणा में स्पष्ट जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। जम्मू–कश्मीर में भाजपा 2014 के परिणाम को दोहराने की संभावना है, जब उसने लगभग 25 सीटें जीती थीं। ये दोनों चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये लोकसभा चुनाव के 100 दिनों से कुछ अधिक समय बाद हो रहे हैं, जहां भाजपा श्अब की बार 400 पारश के अपने प्रयास में सफल नहीं हो सकी और उसे 240 सीटों पर ही रुकना पड़ा। 2019 के मुकाबले उसे 63 सीटों का नुकसान हुआ, लेकिन सहयोगियों की मदद से वह सत्ता में वापस आने में सफल रही। जहां तक घ्हरियाणा का सवाल है, तो यह लगभग स्पष्ट था कि यह भाजपा के लिए लिटमस टेस्ट होगा, भगवा पार्टी जम्मू–कश्मीर में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही थी। लेकिन ऐसा लगता है कि उनकी उम्मीदें हकीकत में बदलने वाली नहीं हैं। भगवा पार्टी को गंभीरता से आत्ममंथन करने की जरूरत है क्योंकि अब उसे नवंबर में महाराष्ट्र में चुनाव का सामना करना है जिसके लिए अभियान शुरू हो चुका है और उसके बाद दिल्ली विधानसभा के चुनाव होंगे। अगर कांग्रेस हरियाणा में अपने दम पर और जम्मू–कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन करके सरकार बनाती है तो यह निश्चित रूप से भाजपा के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। पार्टी को अपनी चुनावी रणनीतियों और कथानक पर फिर से काम करने की जरूरत है। उसे इस बात पर विचार करना होगा कि क्या नमो फैक्टर में बदलाव की जरूरत है। बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा अपने नेतृत्व को लेकर शून्यता का सामना कर रही है? उसे अभी तक नया पार्टी अध्यक्ष नहीं मिल पाया है। जेपी नड्डा का कार्यकाल खत्म हुए चार महीने बीत चुके हैं। नड्डा पार्टी अध्यक्ष होने के अलावा अब केंद्रीय मंत्री भी हैं। इससे यह आभास होता है कि पार्टी टीना फैक्टर से ग्रसित है। भाजपा हमेशा से एक ऐसी पार्टी के रूप में जानी जाती रही है जहां कई वैकल्पिक नेता थे। उदाहरण के लिए, अटल बिहारी वाजपेयी थे और लालकृष्ण आडवाणी उनके विकल्प थे और आडवाणी के विकल्प के तौर पर कुछ और भी थे। लेकिन अब पिछले एक दशक में चीजें बदल गई हैं और पूरी राजनीति मोदी और खास तौर पर अमित शाह के इर्द–गिर्द घूम रही है। पार्टी के पास ऐसा कोई नेता नहीं दिख रहा है जो खुद को साबित कर सके और जिसकी पूरे देश में स्वीकार्यता हो।

हो सकता है कि पिछले एक दशक में भाजपा ने उसी राह पर चलना शुरू किया हो जिस पर कांग्रेस ने पिछले दो दशकों में काम किया है। कांग्रेस ने दूसरे दर्जे के नेतृत्व को उभरने नहीं दिया और लगातार हार का सामना कर रही है। चर्चा थी कि शिवराज सिंह चौहान जो अब 65 साल के हो चुके हैं और आरएसएस के कट्टर सेवक और तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, नड्डा की जगह ले सकते हैं। निश्चित तौर पर वे एक स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। सवाल यह है कि यह उनके लिए संपत्ति होगी या बोझ। भूपेंद्र यादव जैसे दूसरे नेता भी हैं, लेकिन उनकी पूरे देश में स्वीकार्यता नहीं है। पहले अलग–अलग राज्यों से नेताओं की एक टोली होती थी जिन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर चुना जा सकता था। लेकिन अब स्थिति अलग है। भाजपा के लिए झटके की एक और वजह यह भी हो सकती है कि उसे लगता है कि आरएसएस के बिना भी वह चल सकती है। जो भी हो, यह पार्टी के लिए गंभीर आत्मनिरीक्षण का समय है।

उचित जीएसटी शेयरों को समझना

ललित

भारत में जीएसटी का ज्यादातर हिस्सा गरीबों द्वारा चुकाया जाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के दौरान एक छात्र की इस सहज टिप्पणी ने मुझे एहसास दिलाया कि कुछ डेटा लोगों के दिमाग में किस हद तक बने रहते हैं। इस दावे का स्रोत थिंक–टैंक ऑक्सफैम द्वारा प्रकाशित और विश्व आर्थिक मंच पर जारी की गई एक रिपोर्ट, सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट द इंडिया स्टोरी थी। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत के माल और सेवा कर का 64.3 प्रतिशत आबादी के सबसे गरीब 50 प्रतिशत से आया है, जबकि सबसे अमीर 10 प्रतिशत ने केवल 3–4 प्रतिशत का योगदान दिया है। अनुचित कर प्रणाली के इस स्पष्ट चित्रण ने वैश्विक सुर्खियाँ बटोरीं, जिसने भारत में मीडिया और नीतिगत चर्चाओं को प्रभावित किया – जिसमें संसद में उठाया गया एक प्रश्न भी शामिल है। जनवरी 2023 में जारी किए गए, ये आँकड़े अभी भी विभिन्न स्थानों पर उद्धृत किए जाते हैं और लोगों के दिमाग में बने रहते हैं, जिससे एक अनुचित कराधान प्रणाली की धारणा बनती है। इस अहसास ने मुझे यह पता लगाने के लिए शोध के रास्ते पर ले गया कि क्या जीएसटी का भुगतान वास्तव में भारत के सबसे गरीब लोगों द्वारा किया जाता है। पता चला कि ऐसा नहीं है। ऑक्सफैम के आँकड़ों में खामियाँ जबकि ऑक्सफैम की रिपोर्ट में दुस्साहसिक दावे किए गए हैं, एक आलोचनात्मक जाँच से पता चलता है कि कार्यप्रणाली इतनी दोषपूर्ण है कि यह बौद्धिक बेईमानी की सीमा पर है। एक अप्रत्यक्ष कर के रूप में, जीएसटी खपत से जुड़ा हुआ है, जिसका अर्थ है कि जो लोग अधिक खर्च करते हैं – आमतौर पर, उच्च आय वाले समूह – वे अधिक कर देते हैं। रिपोर्ट का निष्कर्ष इस सरल सिद्धांत का खंडन करता है। लेकिन रिपोर्ट में चर्चा किए गए मुद्दे तार्किक आर्थिक समझ से परे हैं। जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच पर प्रदर्शित होने के बावजूद, रिपोर्ट में डेटा प्रस्तुति में पारदर्शिता और कठोरता का अभाव है। यह राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय का हवाला देता है, लेकिन इस संदर्भ से आगे कोई और डेटा प्रदान नहीं करता है। डेटा परिशिष्ट में केवल दो तालिकाओं तक सीमित है, जिसमें बिना किसी पारदर्शी कार्यप्रणाली या सहायक गणना के केवल अंतिम प्रतिशत वितरण शामिल हैं। रिपोर्ट में खाद्य और गैर–खाद्य वस्तुओं के एक उपसमूह का चयनात्मक रूप से उपयोग करने की बात भी स्वीकार की गई है, लेकिन उनके चयन के लिए मानदंड स्पष्ट करने में विफल रही है – यह स्पष्ट रूप से डेटा को चुनिंदा रूप से चुनने का मामला है। इस तरह की कार्यप्रणाली संबंधी खामियाँ – एक रिपोर्ट में जो फ्रांसीसी क्रांति का हवाला देती है और जिसके वैश्विक प्रभाव होने की बात कही गई है – केवल अकादमिक आलोचना नहीं हैंय उनके वास्तविक दुनिया के परिणाम हैं। जब त्रुटिपूर्ण डेटा जनता की राय को आकार देते हैं और नीतियों को प्रभावित करते हैं, तो इससे आर्थिक संसाधनों को गलत दिशा में ले जाने और सूचित चर्चा को कमजोर करने का जोखिम होता है। जीएसटी डेटा में गोता ऑक्सफैम के दावों का मुकाबला करने के लिए, हमने भारत के जीएसटी बोझ के वास्तविक वितरण को उजागर करने के लिए कठोर तरीकों का उपयोग करके एक विस्तृत विश्लेषण किया। 2022–23 के नवीनतम एनएसएसओ उपभोग डेटा का लाभ उठाते हुए, हमने आय समूहों में 400 से अधिक उपभोग की गई वस्तुओं पर सटीक जीएसटी दरें लागू कीं।?

हमारे निष्कर्ष

ऑक्सफैम के दावों से बहुत अलग तस्वीर पेश करते हैं। 2022–23 में जीएसटी संग्रह में घरेलू योगदान 6.19 लाख करोड़ रुपये था, जो 18.07 लाख करोड़ रुपये के कुल जीएसटी राजस्व का 34 प्रतिशत है। शेष राशि व्यवसाय– से– व्यवसाय लेनदेन और सरकारी खपत से आती है। यह उनके संबंधित जीडीपी शेयरों के अनुरूप है। ऑक्सफैम का दावा है कि निचले 50 प्रतिशत का योगदान 64 प्रतिशत है, न केवल गलत है, बल्कि गणितीय रूप से असंभव भी है, क्योंकि यह आंकड़ा सभी भारतीय परिवारों के कुल योगदान से दोगुना है। भले ही हम यह मान लें कि ऑक्सफैम ने केवल परिवारों द्वारा योगदान किए गए जीएसटी पर हिस्सेदारी की गणना की है, फिर भी उनके दावे सही नहीं होंगे। निचले 50 प्रतिशत का योगदान घरेलू जीएसटी का केवल 28 प्रतिशत और कुल जीएसटी का 9.6 प्रतिशत है – जो कि कथित 64 प्रतिशत से बहुत कम है। दूसरी ओर, शीर्ष 10 प्रतिशत का योगदान घरेलू जीएसटी का पर्याप्त 26.63 प्रतिशत है, जबकि ऑक्सफैम की रिपोर्ट में सुझाए गए मात्र 3–4 प्रतिशत का योगदान है। भारत के सबसे धनी 20 प्रतिशत लोग घरेलू जीएसटी में 41.4 प्रतिशत और कुल जीएसटी में 14.2 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

स्वास्थ्य पर अधिक व्यय और कानून की आवश्यकता

संजय

कोविड–19 महामारी ने लाखों लोगों की जान ले ली और वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों, विशेष रूप से भारत में गंभीर सीमाओं को उजागर किया, जहाँ आधिकारिक तौर पर पाँच लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं। इस संकट ने देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को प्रभावित किया, जिससे इसकी तैयारियों में स्पष्ट कमियाँ सामने आईं। इसने भविष्य के स्वास्थ्य संकटों, विशेष रूप से महामारी के प्रबंधन के लिए एक व्यापक रणनीति की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया, साथ ही ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए एक मजबूत विधायी ढाँचे की अनुपस्थिति को भी उजागर किया। भारत ने पुराने कानूनों पर भरोसा किया जो संकट के दौरान पूरी तरह से अप्रभावी साबित हुए। इस तत्परता की कमी के जवाब में, नीति आयोग ने हाल ही में षभविष्य की महामारी की तैयारी और आपातकालीन प्रतिक्रिया– कार्रवाई के लिए एक रूपरेखाष नामक एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कानूनी और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया गया। बुनियादी ढाँचा और वित्तीय घाटा– विधायी कमियों को दूर करना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे भारत के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और पर्याप्त वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के साथ मेल खाना चाहिए। वर्तमान में, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली वैश्विक मानकों की तुलना में कम वित्तपोषित है। वित्त वर्ष 2024–25 के लिए केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को 90,958.63 करोड़ रुपये (जीडीपी का लगभग 0.27 प्रतिशत) आवंटित किए गए, जो अन्य देशों में आवंटन की तुलना में काफी कम है मलेशिया (जीडीपी का 8.5 प्रतिशत), रूस (10.2 प्रतिशत), दक्षिण अफ्रीका (15.3 प्रतिशत), यूनाइटेड किंगडम (19.7 प्रतिशत), और संयुक्त राज्य अमेरिका (22.4 प्रतिशत)। संघ और राज्य स्वास्थ्य व्यय को मिलाकर भी, भारत का कुल स्वास्थ्य व्यय वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी का लगभग 1.9 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के 2025 के 2.5 प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। यह लगातार कम निवेश एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के विकास में बाधा डालता है जो आपात स्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम हो। नीति आयोग की रिपोर्ट में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण कमी को दूर करने के लिए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक निवेश का आह्वान किया गया है। जबकि निजी क्षेत्र लगभग 1,185,242 बेड प्रदान करता है, सार्वजनिक क्षेत्र लगभग 713,986 बेड के साथ पीछे है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति 1,000 लोगों पर 1.4 बेड से भी कम है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रति 1,000 पर तीन बेड की सिफारिश से काफी कम है। इसके अतिरिक्त, डॉक्टर–से–जनसंख्या अनुपात लगभग 1:1,511 है, जोॅभ्क के 1:1,000 के बेंचमार्क से कम है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की संख्या में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बावजूद, कई PHCs में अभी भी पर्याप्त मेडिकल स्टाफ की कमी है, सहायक नर्स दाइयों की संख्या 2014 में 213,467 से घटकर 2022 में 207,604 हो गई है, जो फ्रंटलाइन हेल्थकेयर कर्मियों में एक महत्वपूर्ण कमी का संकेत है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इसका एक बेहतरीन उदाहरण एक डायलिसिस मशीन है जिसे मैंने 2020 में अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब के गढ़शंकर में एक सीएचसी को दिया था, जिसे स्थापित करने और चालू करने के बावजूद शायद एक बार भी इसका उपयोग नहीं किया गया है क्योंकि इसे चलाने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। भारत के कानूनी ढांचे में अपर्याप्ततारू कोविड–19 संकट के दौरान, भारत सरकार ने महामारी रोग अधिनियम 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 पर भरोसा किया। हालाँकि, कोई भी कानून लंबे समय तक चलने वाले स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं था। म्क।, एक औपनिवेशिक युग का कानून है जिसे प्लेग के प्रसार को रोकने के लिए बनाया गया था, जो आज की जटिल स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए बहुत संकीर्ण है। इसके पुराने प्रावधान राज्यों को सीमित शक्तियाँ प्रदान करते हैं और केंद्र और राज्य प्राधिकरणों के बीच प्रभावी समन्वय के लिए तंत्र की कमी है। इसके अलावा, अधिनियम प्रौद्योगिकी के उपयोग, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, दवा और वैक्सीन वितरण और आधुनिक संगरोध प्रथाओं जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को संबोधित नहीं करता है। प्राकृतिक आपदाओं के लिए बनाए गए डीएमए का इस्तेमाल कोविड–19 के दौरान लॉकडाउन लागू करने और संसाधनों के आवंटन के लिए किया गया था। हालांकि, इसका ढांचा लंबे समय तक चलने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के प्रबंधन के साथ मेल नहीं खाता। डीएमए के प्रावधान बाढ़ जैसी अचानक आने वाली आपदाओं के लिए बनाए गए हैं, जो समय के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के बारे में बहुत कम मार्गदर्शन देते हैं। इस बेमेल के कारण लंबे समय तक लॉकडाउन लागू करने में असंगतता आई, जिससे जटिल स्वास्थ्य संकटों से निपटने के लिए इसकी अपर्याप्तता सामने आई। दिलचस्प बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए अधिकांश कोविड–19 दिशा–निर्देशों ने 2005 के आपदा प्रबंधन अधिनियम के विविध प्रावधानों से अपना कानूनी पोषण प्राप्त किया। एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन कानून की आवश्यकता– महामारी ने मौजूदा कानूनी ढांचे में अंतराल को पाटने के लिए एक विशेष सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन कानून की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया। ऐसा कानून स्वास्थ्य आपात स्थितियों के प्रबंधन के लिए एक स्पष्ट रोडमैप स्थापित करेगा, जिसमें निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने के लिए केंद्र, राज्य और स्थानीय अधिकारियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को चित्रित किया जाएगा। कोविड–19 के दौरान ऐसी संरचना के अभाव के कारण भ्रम और प्रशासनिक चूक हुई, जिससे प्रतिक्रिया दक्षता पर असर पड़ा।

फायर विभाग के अधिकारियो ने अश्वनीपुरम सहित कई दुर्गा पूजा पंडालो का किया निरीक्षण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। दुर्गा पूजा व रामलीला पर्व को लेकर अग्निशमन विभाग भी पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दे रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रो तक अग्निशमन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सभी पंडालो का बारीकी का निरीक्षण किया।मंगलवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने अग्निशमन द्वितीय अधिकारी प्रदीप कुमार पांडेय व अन्य अग्निशमन विभाग के कर्मचारियो के साथ शहर के कई पंडालो का निरीक्षण किया।उन्होने अश्वनीपुरम कालोनी, नाका, रिकाबगंज, ख्वासपुरा, फतेहगंज, दिल्ली दरवाजा,चौक, सिविल लाइन, सुभाष नगर, शांति चौक, वजीरगंज, साहबगंज, टकसाल सहित कई दुर्गा पूजा पंडालो व रामलीला स्थलो पर जाकर बारीकी से निरीक्षण किया।उन्होने बताया शहर मे गुफा नुमा पंडाल जैसे कि फतेहगंज मे बाबा केदारनाथ की गुफा,अश्वनीपुरम कालोनी मे सजी नीब करौरी बाबा की गुफा नुमा झाकी को लेकर दोनो दुर्गा पूजा कमेटी के पदाधिकारियो को सतर्कता बरतने व अग्निशमन मानक के मुताबिक पानी, बालू सहित अन्य वस्तुओ को रखने के निर्देश दिये।इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रो मे भी संबंधित फायर विभाग के अधिकारी व कर्मियो ने दुर्गा पूजा व रामलीला कमेटी के पदाधिकारियो को सतर्कता बरतने के निर्देश दिये।

छात्राओं को उनके अधिकार बताकर किया जागरूक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना अलीगंज क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाला स्कूल सिटी माण्टेसरी स्कूल(सीएमएस) अलीगंज लखनऊ में मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अंतर्गत बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों और उन्हें उपलब्ध सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर म0उ0नि0 प्रगति सिंह व म0उ0नि0 आशी गुप्ता और थाना अलीगंज के अन्य महिला कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना, सुरक्षा के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सेवाओं की जानकारी देना था। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं, जैसे कि 1090 महिला हेल्पलाइन,112 आपातकालीन सेवा और महिला पावर लाइन जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न सेवाओं को क्रियाशील किया गया है, जिनमें महिला हेल्पलाइन, स्मार्ट सिटी कैमरे, और फील्ड पुलिस पेट्रोलिंग जैसे उपाय शामिल हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें आत्मरक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तरीकों पर शिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने मुरव्यमंत्री को लिरवा पत्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने प्रदेश के व्यापारियों की समस्याओं को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र। उन्होंने पत्र में व्यापारियों की पीड़ा को बयां करते हुए कहा है प्रायः देखा गया है कि छोटे व्यापारियों को अपना व्यवसाय पहले साल में ही बंद करना पड़ता है और कुछ व्यापारी पूंजी के अभाव में 2 साल से अधिक अपना व्यवसाय नहीं चला पाते और उन्हें अपना व्यवसाय बंद करना पड़ता है। यह बहुत ही दुखद सच है।

अर्थ व्यवस्था के लिए एक अनिवार्यता है और पूरी अर्थव्यवस्था व्यवहारिक रूप से जी0एस0टी0 की सफलता पर निर्भर है लेकिन इस समय जी0एस0टी0 के सम्बन्ध में जो स्थिति चल रही है उससे प्रदेश में व्यापारी वर्ग की स्थिति असहनीय हो गई है और उनकी परेशानियां अब बढती जा रही है। जी0एस0टी0

अधिकारियों द्वारा भी असमय व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारी बिना कोई वेतन, बिना कोई कमीशन बगैर पेंशन लिए रात दिन सरकारी खजाना भरने का कार्य कर रहा है। व्यापारियों के खाते अधिकारियों द्वारा बिना किसी नोटिस के बंद कर दिये जा रहे हैं जिससे नवरात्रि पूजन, दशहरा, दीपावली तथा छठ पर्व के समय होने वाली आय से उन्हें वंचित होना पडेघ्गा और उनका परिवार को भयंकर आर्थिक चोट पहुंचेगी। अधिकारी और कर्मचारी छोटी छोटी बातों पर व्यापारियों का दोहन और उत्पीडन करने के लिए तत्पर रहते हैं।

लाखों की संख्या में छोटे दुकानदार/पटरी दुकानदार अपनी रोजी रोटी के लिए दर दर भटकते हैं। छोटी पूंजी के चलते उनको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

श्री अग्रवाल ने पत्र में अनुरोध किया है कि प्रदेश के व्यापारियों के खाते बंद न किये जाय और उनसे वार्ता करके उनका समाधान निकाला जाय तथा अन्य समस्याओं के निदान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने की कृपा करें जिससे व्यापारियों तथा उपभोक्ताओं को इन महत्वपूर्ण त्योहारों के समय कोई कठिनाई न हो और परिवार खुशियों और उमंग के साथ त्योहार मनाये।

इस्लाम के पैगम्बर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स.अ.) की शान में यति नरसिंहानंद की गुस्तारवी असहनीय – अनीस मंसूरी

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि इस्लाम के पैगम्बर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स.अ.) की शान में यति नरसिंहानंद की गुस्ताखी असहनीय है। उन्होंने कहा कि नफरती यति नरसिंहानंद द्वारा इस्लाम के पैगम्बर हजरत

मोहम्मद (स.अ.) की शान में कहे गए निंदनीय शब्द न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व के मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले असहनीय हैं। श्री मंसूरी ने कहा कि सरकार को ऐसे बदजुबान व्यक्ति पर एनएसए के तहत मुकदमा चलाना चाहिए। क्योंकि यह करोड़ों मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अगर प्रतिक्रिया में विश्व भर के मुसलमान भड़क गए तो पूरे देश की शांति व्यवस्था भंग हो सकती है और इसका जिम्मेदार यति नरसिंहानंद होगा। अनीस मंसूरी ने कहा कि इस्लाम की अवधारणा स्पष्ट है कि सभी धर्मों के जो पवित्र हस्तियां हैं, चाहे हम उन पर विश्वास रखते हों या न रखते हों, लेकिन हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम उनका सम्मान करें, उनका अनादर करने से बचें और उनके अनुयायियों के दिलों को ठेस पहुँचाने से बचें।

श्री मंसूरी ने कहा कि इस्लाम एक खुदा में विश्वास रखता है, मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखता है लेकिन जिन देवी देवताओं को दूसरे समुदाय पूजते हैं कुरान मजीद में उन्हें बुरा भला कहने से मना किया गया है, यह है धर्म, अकघीदा और धर्म के मामले में वह सही मार्ग जिससे समाज में शांति व्यवस्था कायम रह सकती है और जो समाज के सभी वर्गों को जोड़ सकता है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की है कि यह एक सिरफिरे व्यक्ति का बयान है। यह आम देशवासियों की यह सोच नहीं है। हमारे देश में आज भी ऐसे हमवतनी भाई हैं जिन्होंने पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी लिखी है। जिन्होंने हजरत मोहम्मद साहब के सम्मान में नातिया कलाम कहा है, हमारे सामने महात्मा गांधीजी की शिक्षाएं हैं जिन्होंने हजरत मोहम्मद साहब के जीवन को आज की मानवता के लिए एक आदर्श बताया है। इसलिए अगर कोई सिरफिरा और बदजुबान शख्स अपनी जुबान की गन्दगी को बेतुकी और बेहूदा बातें करके दिखाता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि यह देश के सभी हमवतनी भाइयों की यही सोच है, बेशक हमें भी इस घटिया भाषा के विरुद्ध कघनूनी लड़ाई लड़नी चाहिए और सरकार से इस व्यक्ति को सही मायने में सजा देने की मांग करनी चाहिए और साथ ही हमें पैगम्बर साहब का सही परिचय और जीवनी, आपकी नैतिकता, आपकी उच्च शिक्षाएं, आपका मानवतावाद और आपने जीवन जीने का जो सुंदर तरीकघ दिया उस पद्धति का परिचय प्रस्तुत करना चाहिए।

आरटीओ विभाग ने किया 31 वाहनो का किया चालान

अयोध्या। बुधवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा अभियान के तहत परिवहन विभाग द्वारा वाहन प्रदूषण जॉच केन्द्रों, मानक से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों, मोडीफाइड साइलेन्सर,हूटर प्रेशर हार्न एवं वाहनो केशीशे पर लगी काली फिल्म के विरूद्ध अभियान चलाते हुए कार्यवाही की गयी।इस मौके पर एआरटीओ (प्रवर्तन) प्रवीण कुमार सिंह ने अमित एजुकेशनल, पैरामाउट सर्विस, बी0आर0 प्रदूषण, आशा फाउण्डेशन, मेसर्स गोकुल पर्यावरण सेवा संस्थान, मुमकिन सेवा संस्थान एवं कला कृत्रि सोसाइटी प्रदूषण जॉच केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए प्रदूषण केन्द्रों का ब्यौरा व यान्त्रिक दशा का जायजा लिया।एआरटीओ (प्रवर्तन) श्री सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत मानक से अधिक प्रदूषण फैला रही 17 वाहनों, मोडीफाइड साइलेन्सर के 11 वाहनों एवं प्रेशर हार्न का प्रयोग करने वाले 03 वाहनों सहित कुल 31 वाहनों का चालान करते हुए 03 वाहनों के शीशे पर लगायी गयी काली फिल्म उतरवायी गयी।यातायात निरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि सभी वाहन चालक वैध प्रदूषण प्रमाण–पत्र लेकर चले।अन्यथा 10 हजार रूपये का जुर्माना देय है।यात्रीध्मालकर अधिकारी एम0ए0 अहमद ने वाहन चालको से अपील किया कि बाइक या कार के चलने के दौरान 80 डेसिबल से ज्यादा आवाज नहीं निकलनी चाहिए। लेकिन वाहन चालको द्वारा मोडिफाइड साइलेंसर बदलने से 120 डेसिबल से ज्यादा की कर्कश आवाज निकलती है जिससे वातावरण में ध्वनि प्रदूषण फैलता है।इस मौके पर सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) प्रेम सिंह, यात्रीध मालकर अधिकारी राजेश कुमार, प्रवर्तन स्टॉप दुर्गेश सिंह, हर गोविन्द उपाध्याय, बाल कृष्ण उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग के प्रवर्तन टीम ने कई स्थानो पर छापाकर की कार्रवाही

अयोध्या। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा बुधवार को विभिन्न स्थानो पर छापा मारकर 4 नमूने लेकर जांच के लिये प्रयोगशाला भेजा।इस संबंध मे सहायक आयुक्त (खाद्य)। मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि सचल खाद्य प्रयोगशाला द्वारा देवकाली में खाद्य पदार्थों के 26 नमूनों की जाँच की गयी जिसमें से 21 नमूने मानक के अनुरूप पाये गए तथा 5 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाये गए।जाँच में हल्दी, चटनी, चायपत्ती व रिफाइंड सोयाबीन तेल में रंग की उपस्थिति और दूध में दुग्ध वसा की कमी पायी गयी।19 खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के सम्बन्ध में प्रशिक्षित भी किया गया।यह अभियान सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में चलाया गया।खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन दल द्वारा हुसैनपुर चन्द्रिकागंज स्थित रवि किराना स्टोर से सरसों का तेल व चीनी,रामपुर भगन स्थित हरिओम किराना स्टोर से मिश्री तथा माँ परमेश्वरी प्रोविजन स्टोर से रामदाना चिक्की के नमूने लिए गए।10 दर्जन सड़े गले केले, 4 किग्रा सड़े गले अनार नष्ट कराये गए जिनकी कीमत रु 1180ध– थी। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी।प्रवर्तन दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण दिनेश सिंह, नन्द किशोर यादव, अनूप सिंह एवं हिमांशु जयंत तथा सचल खाद्य प्रयोगशाला के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय सोनी और नरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

एसएसपी ने कई चौकी प्रभारियो सहित उप निरीक्षक व मुरव्य आरक्षियो के कार्यक्षेत्र मे किया फेरबदल

अयोध्या। एसएसपी राज करन नैय्यर ने 18 उप निरीक्षकों सहित 1 दर्जन से अधिक मुख्य आरक्षी वा आरक्षी के कार्यक्षेत्र में फेर बदल किया है।उन्होने उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पाल को चौकी हैरिंग्टनगंज, उप निरीक्षक अविनाश प्रताप सिंह को चौकी बारुन, उप निरीक्षक चंद्रहास मिश्र को चौकी सुचितागंज का प्रभारी बनाया।वही उप निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह को पुलिस लाइन से थाना गोसाईगंज,उप निरीक्षक पवन कुमार द्विवेदी को पुलिस लाइन से थाना इनायतनगर, उप निरीक्षक प्रकाश बाबू मिश्र को पुलिस लाइन से थाना खण्डासा,उप निरीक्षक अखिलेश कुमार को पुलिस लाइन से थाना हैदरगंज भेजा। जबकि उप निरीक्षक राजदेव को पुलिस लाइन से थाना तारुन, उप निरीक्षक ईश्वर चंद्र कौशल को पुलिस लाइन से थाना कुमारगंज, उपनिरीक्षक पवन कुमार त्रिपाठी को पुलिस लाइन से थाना रुदौली, उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह को पुलिस लाइन से थाना पटरंगा, उप निरीक्षक महेश कुमार मिश्रा को पुलिस लाइन से कोतवाली अयोध्या, उपनिरीक्षक जुनैद अहमद को पुलिस लाइन से कोतवाली नगर, उप निरीक्षक उपेंद्र उपाध्याय को पुलिस लाइन से थाना खण्डासा, उपनिरीक्षक हर्दोष सिंह को पुलिस लाइन से थाना खण्डासा, उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह को पुलिस लाइन से महराजगंज, उप निरीक्षक वशीर अहमद को पुलिस लाइन से थाना तारून भेजा गया है। वहीं खण्डासा में तैनात उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार को थाना थाना गोसाईगंज भेजा।

नारद मोह मंचन देरव भाव विभोर हुए दर्शक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिरकोनी क्षेत्र के कबुलपुर बाजार में मंगलवार को श्री दया नारायण लीला समिति के कलाकारों ने नारद मोह प्रसंग का मंचन किया। जिसे देख कर भक्त भाव विभोर हो गए। मंचन में दिखाया गया कि नारद जी एक बार तपस्या कर रहे थे तभी इन्द्रदेव का सिंहासन हिलने लगा। जागरूक ने इन्द्रदेव को बताया कि नारद जी घोर तपस्या कर रहे हैं। इन्द्रदेव द्वारा नारद जी की तपस्या में विघ्न डालने के लिए भेजे गए गण विफल रहे तो अंत में इन्द्रदेव ने कामदेव को भेजा। कामदेव ने भी नारद जी की तपस्या भंग करने में विफल रहे। नारद जी अपनी तपस्या को खुद रोक दिए। इस पर नारद जी भगवान विष्णु के पास पहुंचे और हरि का रूप मांगने लगें। भगवान ने तथास्तु का वरदान दे दिया। जब नारद जी स्वयंवर में पहुंचे तो वहां पहले से बैठे राजा हंसने लगे। जब किसी ने नारद जी को आईना दिखाया तो नारद जी वानर का रूप देखकर क्रोधित हो गए। गुस्से में आकर भगवान विष्णु को श्राप दे दिया। श्राप देने के बाद जब नारद जी को सच्चाई का पता चला तो काफी पछताएं और भगवान से माफी मांगने लगे। इस तरह से नारद जी का अभिमान चकनाचूर हुआ। नारद की भूमिका शिवेंद्र श्रीवास्तव रोमी,इंद्र की भूमिका ज्ञानेश श्रीवास्तव, कामदेव की भूमिका अंकित श्रीवास्तव, आनंदी दिनेश जायसवाल,विष्णु सूरज श्रीवास्तव, विश्वमोहनी उमंग श्रीवास्तव,जागरूक अशोक गुप्ता,संतरी मोनु गुप्ता ने निभाई। इस मौके पर योगेश श्रीवास्तव, संजय यादव,पिंटू श्रीवास्तव, सुरेंद्र यादव,संजय यादव, अजय वेनवंशी,सोनू यादव,भूपेश श्रीवास्तव, प्रेमचन्द्र मोदनवाल, अरविंद गुप्ता,राम आसरे मिश्रा आदि लोग रहे।

सभी लोग आपसी समन्वय और सौहार्द के साथ त्यौहार को मनाएं - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लोग आपसी समन्वय और सौहार्द के साथ त्यौहार को मनाएं। सभी के सहयोग से आगामी त्यौहारों को सकुशल व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया जाएगाघ्। इस दौरान जिलाधिकारी ने शान्ति समिति के सदस्यों की समस्याओं को सुनते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि जितने भी धार्मिक स्थल है वहां समुचित प्रकाश, पेयजल और साफ सफाई की उचित व्यवस्था रहे। उन्होने जमदग्निपुरम आश्रम में खराब लाइट सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर विद्युत, सीवर आदि से संबंधित समस्याओं के संदर्भ में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को इस पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पंडालों में सीसीटीवी हमेशा सक्रिय रहें और डीजे निर्धारित डेजीबल से अधिक पर न बजाये जाए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग की तरफ से सभी प्रकार की महत्वपूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। पर्याप्त संख्या में पुरूष और महिला सिपाही तैनात किये गये है, सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाने वालों की सूचना अवश्य दें जिससे उस पर कठोर कार्यवाही की जा सकें। किसी भी धार्मिक महत्व के स्थान पर भड़काऊ पोस्टर चस्पा नही होने चाहिए। इसके लिए डिजिटल वालंटियर की टीम बनाई गई है जिसके सदस्य भ्रामक खबरों पर निगरानी रखने के साथ ही संदिग्ध लोग, स्थल आदि के मामले से पुलिस विभाग को अवगत कराएगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी को आश्वस्त कराया कि शांति व्यवस्था बनायी रखी जाएगी। कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयवर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह सहित शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

जौनपुर डाक मंडल में मनाया गया विश्व डाक दिवस

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रधान डाकघर में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर फिट पोस्ट, फिट इंडिया का आयोजन किया गया। जिसमे डाक कर्मचारियो के द्वारा रैली निकाल कर लोगो को फिट रहने हेतु जागरूक किया गया। रैली का आयोजन प्रधान डाकघर से शुरुआत कर अटाला मस्जिद होते हुए शाही किला, शाही पुल एवं कोतवाली होते हुए प्रधान डाकघर पहुच कर समाप्त किया गया। डाक अधीक्षक आर.के. चौहान के द्वारा वताया गया कि आज यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के 150 वर्ष पूर्ण हो गये है। जिसे देश भर में संचार को सक्षम करने और लोगों को सशक्त बनाने के 150 वर्ष थीम पर मनाया जा रहा है। यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू , फ्रेंचरू यूनियन पोस्टेल यूनिवर्सल) संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक विशेष एजेंसी है जो सदस्य देशों के बीच डाक नीतियों का समन्वय करती है और एक समान विश्वव्यापी डाक प्रणाली की सुविधा प्रदान करती है। इस मौके पर स. अधीक्षक बी.के. शर्मा, विपिन यादव निरीक्षक डाक बलबीर सिंह, शशिकांत कन्नौजिया, इन्द्रजीत पाल, पोस्टमास्टर सत्यप्रकाश मिश्रा कार्यालय सहायक रवि रंजन के साथ अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेटियां दो कुल का नाम रोशन करती है, बेटियों को जरूर पढ़ाइयें – सीमा द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत जिला महिला चिकित्सालय में राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी की अध्यक्षता में महिला कल्याण विभाग द्वारा बेटी बचाओं–बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत जनपद–जौनपुर में लिंग असमान्ता समाप्त करने हेतु बलिका जन्मोत्सव का आयोजन किया गया।

राज्यसभा सांसद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बेटिया कुल का नाम रोशन करती है। बेटियों को जरूर पढ़ाइयें। आज के समय में

बेटिया कही भी लड़को से पीछे नही है। हर क्षेत्र में लड़किया आगे जा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने कहा कि पहले लड़कियो के साथ भेद–भाव होता था अब लड़िकिया बराबरी की स्थिति में आ गयी है। जनपद–जौनपुर में भ्रूण हत्या का चलन नही है। हम सभी मिल कर लिंग असमानता को समाप्त कर सकते है। जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय कुमार पाण्डेय ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की जानकारी दी जिसमें कुल 06 श्रेणियों में 25000 धनराशि प्राप्त होती है। आये हुए सभी प्रतिभागियों का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय डॉ महेन्द्र गुप्ता द्वारा स्वागत किया गया। बालिका जन्मोत्सव में केक काटा गया और पिछले दो दिनों में जन्मी बच्चियों को बेबी हिमालया गिफ्ट पैक और मिठाई का पैकेट दिया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल संरक्षण अधिकारी चन्दन राय द्वारा किया गया।

जनपद की बालक वर्ग की कबड्डी टीम का चयन ट्रायल दिनांक 13 अक्तूबर को समय 11 बजे से पूर्व माध्यमिक विद्यालय मेहदीगंज मड़ियाहूं में होगा

जौनपुर ब्यूरो चीफ

जौनपुर। दिनांक 19 एवं 20 अक्तूबर को सन्त रविदास नगर भदोही में अयोजित होने वाली राज्य स्तरीय जूनियर बालक वर्ग की कबड्डी चौंपियनशिप 2024 हेतु जनपद जौनपुर की बालक वर्ग की कबड्डी टीम का चयन ट्रायल दिनांक 13 अक्तूबर को समय 11 बजे से पूर्व माध्यमिक विद्यालय मेहदीगंज मड़ियाहूं के मैदान पर किया जायेगा । चयन ट्रायल में

प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी की अर्हता खिलाड़ी की आयु 20 बर्ष से कम (अर्थात खिलाड़ी की जन्मतिथि 01–01–2005 के बाद हो) वजन 70 किग्रा से अधिक न हो।

खिलाड़ी जौनपुर जनपद का निवासी हो। चयन ट्रायल के समय आधार कार्ड कार्ड लाना अनिवार्य है। चयन ट्रायल मैट पर होगा।

मैट शूज लाना भी अनिवार्य है।

रवि चन्द्र यादव् सचिव जिला कबड्डी एसोसिएशन जौनपुर

सितंबर माह मे आबकारी विभाग को हुआ लगभग 38 करोड़ राजस्व की लाभ – जितेंद्र

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। वर्ष 2023 – 24 के सापेक्ष राजस्व आबकारी विभाग सितंबर माह में 122 प्रतिशत राजस्व आबकारी की वृद्धि हुई है।सितंबर माह में लगभग 38 करोड़ रुपए की राजस्व मे वृद्धि हुई।यह जानकारी देते हुए जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि सितंबर माह में अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जिले के पांचों सर्किल में कुल 884 जगहों पर छापा मारा गया।इस अभियान में 3214 लीटर कच्ची शराब बरामद कर व 2100 किलो लहन नष्ट कर इस मामले में विभिन्न थानों में 99 अभियोग दर्ज कराया गया। इसमें शामिल 23 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।उन्होंने बताया कि छापे की कार्रवाई में सदर सर्किल प्रभारी अरविंद कुमार, मिल्कीपुर सर्किल प्रभारी विवेक पाठक, रुदौली सर्किल प्रभारी राज वक्ष्मी, बीकापुर सर्किल प्रभारी आनंद कुमार वा सोहावल सर्किल प्रभारी कुलदीप सिंह ने कई लीटर कच्ची शराब बरामद कर व कई किलो लहन नष्ट किया। इसके अलावा संबंधित थाना क्षेत्रो मे मुकदमा दर्ज कराकर लगभग दो दर्जन आरोपियो को जेल भेजा गया।उन्होने बताया कि दुर्गा पूजा, रामलीला, दीपावली सहित अन्य प्रमुख त्यौहारो को देखते छापेमारी की कार्यवाही मे और तेजी लाई

जायेगी।उन्होने लोगो से अपील किया कि सभी लोग आबकारी विभाग द्वारा जारी लाइसेंसी धारक देशी व विदेशी मदिरा की दुकानो से शराब खरीदे।उन्होने बताया कि शीघ्र ही आबकारी विभाग द्वारा एक सघन अभियान चलाया जायेगा।

मुख्यालय व ब्लाको मे महिला आयोग की सदस्य जाकर करेगी महिलाओ के समस्याओ का हल - अंजू प्रजापति

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। राज्य महिला आयोग का पूरा प्रयास है कि किसी भी समस्या से पीड़ित महिलाओ तक आयोग के सदस्य पहुंचकर उन्हें त्वरित न्याय दिलायें। इस समय प्रदेश में अधिकतर महिलाएं एवं बच्चियां पूर्णतः सुरक्षित है। यह बाते मंगलवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने सर्किट हाउस मे आयोजित पत्रकार वार्ता मे कही। बताते चले कि वे जिले मे तीन दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम मे आई थी। उन्होने कहा कि राज्य महिला आयोग के माध्यम से सरकार ऐसे लोगों पर कार्यवाही कर रही है जो महिला अपराध में संलिप्त है। इसके अलावा जल्द ही मुख्यालय व ब्लाक स्तर पर जन सुनवाई प्रारम्भ की जायेगी।महिलाओं की समस्याओं को देखते हुए आयोग की सदस्य हर महीने जिले में प्रवास करेंगी तथा उनकी समस्याओं को सुलझाएंगी। जो महिलाएं लखनऊ मुख्यालय नही पहुंच पाती है उन महिलाओं तक राज्य महिला आयोग की सदस्य पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सभु योजनाओ का लाभ सभी को दिलाया जायेगा।उन्होने कहा कि महिला आयोग का हमेशा प्रयास रहता है कि पीड़ित का किसी प्रकार नुकसान न हों,परिवार को टूटने से बचाने का प्रयास होता है। उन्होने कहा कि पीड़ित महिलाओं को न्याय मिले, महिलाओं से संबंधित बहुत सी योजनाएं भी हैं इसके लिए कैंप लगाए जाएंगे तथा महिलाओं को जागृत किया जाएगा।उनके अधिकारों के बारे में उनको बताया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भरता से आगे बढ़ पायेंगी।

मिशन शक्ति कार्यक्रम फेज – 5.0 के तहत महिलाओ को किया जा जागरूक – एसपी ग्रामीण

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। महिलाओ व बालिकाओ की सुरक्षा को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओ मे शामिल मिशन शक्ति कार्यक्रम फेज – 5.0 पूरे थाना क्षेत्र मे चलाया जा रहा है। यह जानकारी देते हुये एसपी ग्रामीण व इस योजना के नोडल प्रभारी बलवंत चौधरी ने बताया कि जो नौवरात्रि के प्रथम दिन से प्रारंभ होकर पूरे 90 दिनो तक चलाई जा रही है।उन्होने बताया कि इसमे कई कार्यक्रम का आयोजन महिला व सभी थाना क्षेत्रो मे चलाया जा रहा है। इसमे आपरेशन गरुण, आपरेशन शील्ड, आपरेशन डेस्ट्राय, आपरेशन बचपन, आपरेशन खोज, आपरेशन मजनू, आपरेशन नशामुक्ति, आपरेशन रक्षा, आपरेशन ईमेल चलाया जायेगा। उन्होने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिये शहर के अलावा ग्रामीणो मे महिला थानाध्यक्ष सहित सभी थाना प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष महिलाओ व बालिकाओ को सुरक्षात्मक व केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई सभी योजनाओ का लाभ की जानकारी दी जा रही है। उन्होने बताया कि इस अभियान के तहत पुलिस कर्मी महिलाओ व छात्राओ को सभी गांवो, मुहल्लो, मलिन बस्तियो सहित अन्य जगहो पर जाकर मिशन शक्ति अभियान के बारे मे पोस्टर, बैनर के माध्यम से जानकारी दी जा रही है।

पटाखा दुकानों पर सिटी मजिस्ट्रेट ने चलाया चेकिंग अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जहां एक तरफ पूरे देश में त्योहारों का सीजन चल रहा है ऐसे में जौनपुर में त्योहारों को लेकर मिलावट खोर और अवैध पटाखा बेचने वालों पर जिला प्रशासन पूरी तरह से शक्त। पूरे लावा लश्कर के साथ सिटी मजिस्ट्रेट, इंद्र नंदन सिंह सीओ सिटी,सीटी देवेश कुमार सिंह कोतवाली पुलिस बल के साथ शहर के घनी आबादी के बीच चल रहे दर्जनों पटाखा की दुकानों पर छापेमारी कर दुकान में रखे गए पटाखा वह उनके लाइसेंस की जांच की गई एक दुकान की कागजात अपडेट व पटाखो के स्टॉक के हेर फेर की आशंका होने पर दुकान को सील कराया और चेतावनी दी की सारे कागजात लेकर कार्यालय पर पहुंचे इस छापेमारी के बाद कई दुकानदार अपनी अपनी दुकान बंद कर कर मौके से फरार हो गए। पूरे नगर क्षेत्र के अंदर आबादी के बीच कई ऐसी दुकान है जहां पर धड़ल्ले से पटाखे बेचे जा रहे हैं।

सीटी कोतवाली क्षेत्र के कई दुकानों पर सिटी मजिस्ट्रेट और सीओ सिटी ने छापेमारी की,नगर के व्यस्ततम इलाके में जो पटाखे की दुकान घनी आबादी के बीच चल रही है उनको चेतावनी देते हुए कहा कि अपने–अपने लाइसेंस लेकर कार्यालय पहुंचे और लाइसेंस की जांच करने के बाद अब आबादी के बीच पटाखा बेचने के लाइसेंस नहीं दिया जाएगा।

इस मामले की जानकारी देते हुए सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह ने बताया कि शहर के पटाखा कई दुकानों पर छापेमारी की गई सभी दुकानों का लाइसेंस चेक किया गया कुछ दुकानों पर स्टॉक सही न मिलने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और कुछ ऐसे दुकान थे जिनकी दुकानों पर पुराने स्टाक रखे गए थे और कागजात सही न मिलने पर उनकी दुकानें सील कर दी गई है।

सभी प्रकार के शरीर में होने वाले पुराने दर्द रोगों का उपचार एक ही छत के नीचे - डाक्टर विवेक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जय मां गायत्री सुपर स्पेशलिटी पेन क्लिनिक एंड पैलिएटिव केयर का उद्घाटन समाजसेवी गायत्री शुक्ला व पूर्व विधायक डॉक्टर हरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर डॉक्टर हरेंद्र सिंह ने कहा कि जनपद व पूर्वांचल में पहली बार किसी दर्द विशेषज्ञ द्वारा कीर्तिमान बनाया गया है इससे जनपद का मान बढ़ा है और जनता की स्वास्थ्य सेवा में ऐसा प्रयास पहली बार किसी विशेषज्ञ ने किया है। पेन एंड पैलिएटिव मेडिसिन युक्त रूप से लाकर नया कॉन्सेप्ट और नई विधा लाना यह कीर्तिमान बनाने का डॉक्टर विवेक शुक्ला का प्रयास सराहनीय है।

पेन विशेषज्ञ डॉ विवेक शुक्ला ने बताया कि अभी तक पेन अस्पताल और पेन फिजिशियन

की सुविधा लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, दिल्ली आदि जैसे बड़े महानगरों में स्थापित हैं। अब आपके शहर जौनपुर में पहली बार एक मात्र हास्पिटल दर्द के मरीजों के लिए सेवा में तत्पर हैं इस क्लीनिक में हड्ध्डी वई, जोड़ वर्द, टेंडन दर्द, मांसपेशी दर्द इत्यादि सभी प्रकार के हड्ध्डी दर्द एवं जोड़ से सम्बन्धित सभी पुराने दर्द का उपचार होगा जैसे– अर्थराईटिस, घुटने का दर्द, गर्दन का वर्द,कमर दर्द रोगों का उपचार। कैन्सर का पुराना दर्द , माइग्रेन का उपचार और सभी प्रकार के शरीर में होने वाले पुराने दर्द रोगों का उपचार। एक ही छत के नीचे समस्त सुविधाओं के साथ जैसे– ड्रग थिरेपी, इंजेक्शन विशेषी, एोमाधिरेपी, विजियो सिमेषी, सी. बी.टी. चिरेपी, एक्यूप्रेशर थिरेपी, एक्यूपंचर विरेपी, रिफ्लेक्सोलॉजी चिरपी की सुविधा भी है। आए हुए सभी आग्नतुओ का स्वागत हॉस्पिटल प्रशासक पंकज यादव व आभार डॉक्टर आर पी शुक्ला ने व्यक्त किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा, डॉक्टर सुभाष सिंह, डॉ पंकज सिंह,डॉ संजय सिंह, डॉक्टर मनमोहन सिंह, डॉक्टर इंद्र सिंह, डॉक्टर उत्तम गुप्ता, डॉ लाल बहादुर सिद्धार्थ, बृजेश सिंह,डॉ लालजी प्रसाद, डॉक्टर प्रमोद कुमार, डॉक्टर एम पी यादव,डॉ राजेश कुमार ,पप्पू माली व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मार्ग दुर्घटना मे एक व्यक्ति की मौत जबकि दूसरा गंभीर रुप से घायल

अयोध्या। बुधवार को अयोध्या रायबरेली राजमार्ग पर कोतवाली नगर क्षेत्र मे स्थित गुरु नानक स्कूल के सामने मार्ग दुर्घटना मे बुलेट सवार पचास वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि पैतालिस वर्षीय एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया।जिसका इलाज जिला चिकित्सालय मे चल रहा है। बताते चले कि बुधवार को थाना कैंट क्षेत्र के बनवीरपुर निवासी राम सिंह बुलेट से शहर से रायबरेली की ओर जा रहे थे। जब वे गुरु नानक स्कूल के पास पहुंचे तभी बुलेट फिसलकर गिर गई। तभी पीछे से तेजी से आ रही एक पिकप उसे कुचल दिया। इस हादसे मे बुलेट पर पीछे बैठा छठी यादव उर्फ सत्य नारायण यादव की मौके पर मौत हो गई। वही बुलेट चालक राम सिंह गंभीर रुप से घायल हो गया।जिसका इलाज जिला चिकित्सालय मे चल रहा है। इस संबंध मे चौकी प्रभारी नवीनमंडी उमेश वर्मा ने बताया दुर्घटना करने वाली वाहन को पुलिस ने कब्जे मे ले लिया है जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

सुल्तानपुर। जिले में चंद घंटों के भीतर दूसरा हत्याकांड। प्रधानी चुनाव की रंजिश में पूर्व प्रत्याशी की गोली मारकर हत्या।सुबह शौच के लिए गाँव के बाहर गए युवक को बाइक सवार तीन बदमाश घटना को अंजाम देकर हुए फरार। मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी अखंड प्रताप सिंह, सीओ सौरभ सावंत,बल्दीराय थाना अध्यक्ष आरबी सुमन,थाना हलियापुर प्रदीप कुमार सिंह, धनपतगंज थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय व फोरेंसिक टीम,शुरू की गई मामले की जांच पड़ताल। बल्दीराय थाना क्षेत्र अंतर्गत असरफपुर गांव का मामला। ईच्छानाथ यादव उम्र लगभग (35) वर्ष के रुप में मृतक की पहचान। इसके पूर्व दोस्तपुर में चार बाइक सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से युवक को किया था लहूलुहान,इलाज के दौरान हुई मौत। कोतवाल आरबी सुमन बोले,प्रधानी चुनाव के रंजिश में प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा गोलीकांड। परिजन शव रोड़ पर रख कर रहे है आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग।

करंट लगने से किसान की मौत

सुलतानपुर। तहसील बल्दीराय क्षेत्र की ग्राम पंचायत दरियापुर के सफलेपुर गांव के निवासी लगभग 60 वर्षीय पंचम यादव की करंट लगने से मौत हो गई। प्रधान करिया यादव ने बताया की पंचम यादव रोज की भाँत आज भी सुबह लगभग 7 बजे स्नान करने हैन्डपम्प पर पहुंचे हैन्डपम्प में समरसेबल लगा था। और समरसेबल ऑन था उनका सम्पक जैसे ही पानी से हुआ। वैसे करन्ट की चपेट में आ गए । और गम्भीर रूप से घायल हो गए। परिवारजनो ने डायल 108 से उन्हे सी यच सी बल्दीराय लेगए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

गोमती नदी में फिसला युवक स्थानीय गोताखोरो द्वारा नदी में की जा रही तलाश

सुल्तानपुर। कलश यात्रा मे गया युवक गोमती नदी मे डूबा। गोताखोरो द्वारा तलाश जारी।थाना हलियापुर के रंगवा मजरे फत्तेपुर निवासी सुनील निषाद (18) पुत्र विदेशी गांव में दुर्गा पूजा मूर्ति स्थापना के पूर्व निकली कलश यात्रा में गोमती नदी से जल लेते समय मटियारी घाट के पास फिसल कर नदी में जा गिरा। अमेठी जिले के थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक कादूनाला क्षेत्र के गोमती नदी की घटना। स्थानीय गोताखोरों द्वारा युवक की तलाश की जा रही है। मौके पर पुलिस बल और स्थानीय लोग मौजूद।

खाद्य सुरक्षा औषधि विभाग के प्रवर्तन दल ने चलाया विशेष चेकिंग अभियान

अयोध्या। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा औषधि विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।इस मौके पर खाद्य पदार्थों के 6 नमूने लेकर जाँच हेतु प्रयोगशाला को भेजा गया।सहायक आयुक्त खाद्य।। मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि सचल खाद्य प्रयोगशाला द्वारा मुमताज नगर इंडस्ट्रियल एरिया में खाद्य पदार्थों के 20 नमूनों की जाँच की गयी।जिसमें से 17 नमूने मानक के अनुरूप पाये गए तथा तीन नमूनों मिल्ककेक में स्टार्च, बेसन लड्डू में रंग और बूँदी लड्डू में रंग की उपस्थिति पायी गयी।14 खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के सम्बन्ध में प्रशिक्षित भी किया गया।सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन दल द्वारा गोसाईगंज स्थित माँ वैष्णो किराना स्टोर से मूंगफली का दाना, माँ विंध्यवासिनी ट्रेडर्स से पेठा और रामदाना चिक्की, सिद्धार्थ ट्रेडर्स से फलाहारी नमकीन, पारा खान स्थित गुप्ता जनरल स्टोर से पेठा व वैष्णो स्वीट हाउस से मिल्ककेक के नमूने लिए गए। 7 दर्जन सड़े गले केले, 16 किग्रा सड़े गले सेब, 21 किग्रा रंगीन कचरी, 5 किग्रा रंगीन बूँदी लड्डू नष्ट कराये गए जिनकी कीमत रु 3780६ – थी। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। प्रवर्तन दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण अजय सोनी, संतोष साहू,नरेन्द्र कुमार व सुमित चौधरी तथा सचल खाद्य प्रयोगशाला के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश सिंह और नन्द किशोर यादव उपस्थित रहे।

अवैध पटाखा बरामद,पुलिस टीम ने मारा छापा, पटाखों की लगभग कीमत 20 लाख रुपये

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के लखउवां बाजार में बुधवार की दोपहर 3 बजे एसपी के द्वारा अवैध पटाखा भंडारण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को जौनपुर के एसडीएम पवन कुमार सिंह व सीओ परमानंद कुशवाहा के नेतृत्व में बक्सा पुलिस व एसओजी पुलिस टीम ने लखउवां बाजार के एक घर मे छापामारी कर चेकिंग की गई।घर के 5 कमरों की तलाशी ली गयी । जिसमें लगभग 10 कुंतल जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। इस छापेमारी के दौरान बाजार में अफरातफरी का माहौल हो सा हो गया। सीओ परमानंद कुशवाहा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ में चलाये जा रहे अभियान के क्रम

आज लखउवां बाजार में मुखबिर से सूचना मिली कि कमालुद्दीन द्वारा एक घर मे अवैध पटाखों का भंडारण किया गया है। स्थानीय पुलिस व एसओजी टीम द्वारा घर पर छापेमारी कर तलाशी ली गयी। जिसमे 5 कमरों में लगभग 10 कुंतल पटाखा जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये के अवैध पटाखे के भंडारण पाया गया। मौके पर एसडीएम सदर के नेतृत्व में इस पटाखों को विधिक रूप से जब्त करके आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जन प्रतिनिधियों ने दिए सड़क निर्माण के प्रस्ताव

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) विकास भवन सभागार में माननीय सांसद हरदोई जयप्रकाश व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जनपद के जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में माननीय जन प्रतिनिधियों से सड़क निर्माण के प्रस्ताव लिए गए, इसमें कच्चे मार्गो के नव निर्माण, सड़क चौड़ीकरण व नवीनीकरण के प्रस्ताव शामिल हैं। विधायक सवायजपुर ने गर्रा नदी पर बने पाली पुल से नदी तक जाने के लिए सीढ़ीयां बनवाने का प्रस्ताव रखा, माननीय विधायक सांडी ने केहरमऊ पुल के निर्माण पर जोर दिया जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। विधायिका संडीला ने बड़ाडांडा व महुआडांडा के मार्गो का प्रस्ताव प्राथमिकता के आधार पर रखा तथा विधायक बिलग्राम–मल्लावां ने बेरिया घाट मार्ग का मुद्दा रखा। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन प्रतिनिधियों के प्रस्ताव पर आवश्यक कार्यवाही जल्द सुनिश्चित करायें और लोक निर्माण विभाग को संडीला के गेस्ट हाउस के पुनर्निर्माण करवाने व मल्लावां के गेस्ट हाउस को जल्द सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 250 से अधिक आबादी वाला कोई भी गाँव संपर्क मार्ग से न बचे। सदर तहसील के चन्दहा व सवायजपुर तहसील के उमरिया गाँव में चकरोड के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाये। इस अवसर पर सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल, विधायक बालामऊ रामपाल वर्मा, विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, विधायक बिलग्राम–मल्लावां आशीष सिंह आशू, विधायक सांडी प्रभाष कुमार, विधायक संडीला अलका सिंह अर्कवंशी, ब्लॉक प्रमुख अहिरोरी धर्मवीर सिंह पन्ने, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी प्रान्तीय खण्ड ए0के0 मिश्रा सहित सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों की विश्वसनीयता आज भी कायम – शैलेन्द्र कुमार

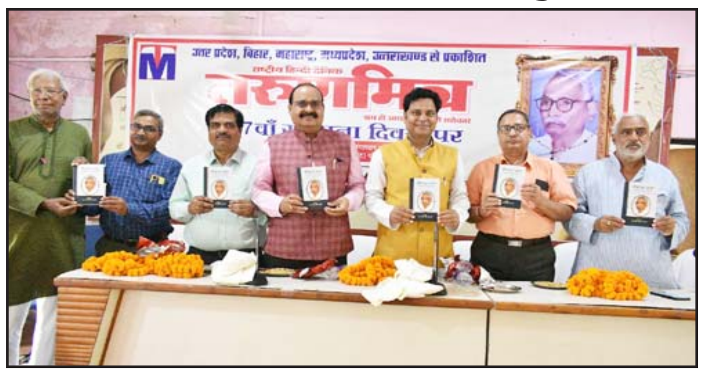

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है। बगैर इनके अच्छे समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। पत्रकारिता में बदलाव जरूर आया है लेकिन उसकी विश्वसनीयता आज भी कायम है और आगे भी रहेगी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में आयोजित हिन्दी दैनिक तरुणमित्र समाचार पत्र के 47वें स्थापना दिवस को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि जिले में यूबीआई बैंकों की जितनी भी शाखाएं हैं उनसे तरुणमित्र का गहरा लगाव है। बैंक की उलब्धियों एवं ग्राहकों से संबंधित जानकारियों को यह समाचार पत्र प्रमुखता से प्रकाशित करता चला आ रहा है। ऐसे में बैंक की तरफ से तरुणमित्र को जो भी सहयोग सदैव से मिलता आ रहा है वह आगे भी बना रहेगा। विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय दंतोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ0 देवराज सिंह ने कहा कि समाचार पत्रों में खुद की लेखनी ही पाठकों का विश्वास जितती है। ऐसे में खबरों के तह तक जाए तभी पत्रकारिता कायम रहेगी। पत्रकारिता एवं जनसचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 मनोज मिश्र ने कहा कि तरुणमित्र समाचार पत्र एक संकल्प साधना है। यह एक ऐसा समाचार पत्र है जो लोगों की भावना एवं श्रद्धा से जुड़ा है। वर्तमान समय में हिन्दी पत्रकारिता मौन धारण करती जा रही है जो चिंता का विषय है। शिराजे–हिन्द की धरती जौनपुर में एक पन्ने से शुरू होकर पांच राज्यों में आठ संस्करण में चल रहा तरुणमित्र संस्थापक कैलाश नाथ के संकल्पों का नतीजा है। उन्होंने कुछ पंक्तियों के माध्यम से समाचार पत्र को ऊंचाई प्रदान किया। अध्यक्षता कर रहे महामना मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता शोध संस्थान काशी विद्यापीठ वाराणसी के पूर्व निदेशक एवं प्रोफेसर डा0 ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि तरुणमित्र के संस्थापक कैलाश नाथ ने कभी समाचारों के साथ समझौता नहीं किया। अपने कड़े संघर्षों की बदौलत जिस अखबार की नींव रखी उसकी सुंगध आज भारत के पांच राज्यों में फैल रही है। ऐसे महान आत्मा वाले कर्मयोगी का हम सभी ऋणी हैं। उन्होंने कैलाश नाथ को याद करते हुए कहा कि उनके दौर में पत्रकारिता की पढाध्ई नहीं होती थी। इसके बावजूद उनके अखबार में कभी अशुद्धिया नहीं मिली। उन्होंने जो कुछ भी सीखा समाज से सीखा। किसी भी कार्यक्रम में उनका वक्तव्य अच्छे वक्ता से कम नहीं होता था। आशावादियों के लिए आसमान दूर नहीं है जबकि निराशावादियों के लिए सब कुछ दूर है। सान्ध्य कालीन से शुरू हुआ तरुणमित्र अखबार आज प्रातःकालीन होकर पाठकों के दिलों में समाया हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी वह विश्वसनीयता के दायरे में नहीं है लेकिन समाचार पत्रों से जनता का मनो विज्ञान जुड़ा है। आने वाले दिनों में समाचार पत्रों की स्थितियां बदलेगी। लोकतंत्र तभी बचेगा जब निश्पक्ष पत्रकारिता होगी। इस देश को बचाने का काम तरुणमित्र जैसे मझोले अखबारों ने किया है। कैलाश नाथ की आज तीसरी पीढ़ी भी पत्रकारिता में सक्रिय है। पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में सोशल मीडिया प्रिन्ट मीडिया को मात दे रही है लेकिन किसी भी घटना की सत्यता समाचार पत्रों से ही होती है। आने वाला समय भी प्रिन्ट मीडिया का ही होगा। इसके अलावा समारोह को वरिष्ठ पत्रकार विजय प्रकाश मिश्र, वाराणसी के ब्यूरो चीफ डा0 जावेद अहमद, वरिष्ठ अधिवक्ता कामरेड जय प्रकाश सिंह, जाने–माने कवि एवं पत्रकार डा0 कुँवर जयवंत सिंह, समाजसेवी डा0 विमला सिंह, डा0 राम सिंगार शुक्ल गदेला, सभाजीत द्विवेदी प्रखर, पत्रकार संघ के महामंत्री डा0 मधुकर तिवारी आदि ने भी सम्बोधित किया। तत्पश्चात समाचार पत्र के संपादक आदर्श कुमार ने समाचार पत्र का जन्म से आज तक की विस्तार से रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभांरभ अतिथियों द्वारा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सरस्वती वंदना पूर्वांचल के प्रख्यात देवीगीत एवं भजन गायक राहुल पाठक ने प्रस्तुत किया। समारोह में डा0 बृजेश यदुवंशी द्वारा संपादक कैलाश नाथ पर लिखी पुस्तक का विमोचन भी किया गया। आए हुए लोगों के प्रति समाचार पत्र के महा प्रबंधक उज्ज्वल कुमार ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला संवाददाता सतीश चन्द्र शुक्ल सत्पथी, वरिष्ठ पत्रकार अरविन्द उपाध्याय, डा0 प्रमोद वाचस्पति, डा0 ज्ञान प्रकाश सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि डा0 राम सूरत मौर्य, संजय उपाध्याय, शशिराज सिन्हा, प्रोफेसर आशाराम यादव, संपादक रामजी जायसवाल, विरेन्द्र पाण्डेय, डा0 योगेन्द्र सिंह, समाजसेवी दीपक चिटकारिया, अयोध्या संस्करण के स्थानीय संपादक राजेन्द्र यादव, विनोद यादव, कृष्ण कुमार मिश्र, राजेश श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, भोले विश्वकर्मा, नीतेश दूबे, धनी कसौधन, तेज बहादुर प्रजापति, राजीव साहू, मंगला प्रसाद पाठक, हरिलाल यादव, प्रकाश विश्वकर्मा, संजय अस्थाना, राजकुमार यादव, लक्ष्मी यादव, लाल बहादुर यादव, दीपक शुक्ल, अभिषेक सिंह, अनिल शर्मा, भानु प्रताप सिंह, श्री प्रकाश वर्मा, मीर बेलाल जानी, मोहम्मद उस्मान, मनोज सिंह, राजेश मिश्र, संजय दूबे, अमित सिंह परमार, फूलचन्द्र भारती, संजय सेठ जेब्रा, विनय यादव, टिंकू शुक्ला, अनिल विश्वकर्मा, गंगेश बहादुर सिंह, राम नरेश प्रजापति, गुड्डू समेत तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार श्याम नारायण पाण्डेय ने किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।